राज्यपाल ने कृषि विज्ञान केंद्रों के दो वैज्ञानिकों को सम्मानित किया

वैज्ञानिकों को यह सम्मान उनके बेहतर योगदान के लिए दिया गया

डीटीएनएन

कानपुर देहात। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र मैनपुरी एवं फतेहपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप एवं डॉक्टर जगदीश किशोर को राज्य स्तरीय पुष्प फल एवं सब्जी प्रदर्शनी के समापन समारोह पर महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र एवं किसान हित में किए गए उत्तम कार्य के लिए राजभवन में सम्मानित किया। उक्त अवसर पर प्रदेश के मत्स्य मंत्री डॉक्टर संजय निषाद,प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा प्रसाद मिश्र,कृषि सचिव डॉ मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी, जिला अधिकारी लखनऊ सहित अनेक गणमान्य अतिथियों के गरिमामई उपस्थिति में डॉक्टर स्वरूप को विशेष रुप से डेयरी फार्मिंग भारतीय गोवंश प्रबंधन संरक्षण वर्षभर हरा चारा उपलब्धता हेतु बहु वर्षीय हाइब्रिड नेपियर घास के प्रचार प्रसार एवं कृषकों के प्रक्षेत्र तक पहुंचाने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जबकि डॉ किशोर को जनपद फतेहपुर में फसल सुरक्षा से संबंधित तकनीकी ज्ञान को कृषको के मध्य साझा करने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा विभिन्न उपयोगी तकनीतियों के माध्यम से निमेटोड कीट नियंत्रित की विधा को कृषकों द्वारा अपनाए जाने पर किए गए सराहनीय कार्य हेतु उन्हें सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह एवं निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने दोनों वैज्ञानिकों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। जबकि वैज्ञानिक जगत में हर्ष की लहर व्याप्त है।

राज्यपाल ने किया दो कृषि वैज्ञानिकों को सम्मानित

राज्यपाल से पुरस्कार ग्रहण करते वैज्ञानिक।

कानपुर, 22 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र मैनपुरी एवं फतेहपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ देवेंद्र स्वरूप एवं डॉ जगदीश किशोर को राज्य स्तरीय पुष्प फल एवं सब्जी प्रदर्शनी के समापन समारोह पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र एवं किसान हित में किए गए उत्तम कार्य के लिए राजभवन में सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के मत्स्य मंत्री डॉ संजय निषाद, मुख्य सचिव दुर्गा प्रसाद मिश्र, कृषि सचिव डॉ मनोज कुमार सिंह, रश्रीमती कल्पना अवस्थी, जिला अधिकारी लखनऊ सहित अनेक गणमान्य अतिथियों के गरिमामई उपस्थिति में डॉ स्वरूप को विशेष रुप से डेयरी फार्मिंग भारतीय गोवंश प्रबंधन संरक्षण वर्षभर हरा चारा उपलब्धता हेतु बहु वर्षीय हाइब्रिड नेपियर घास के प्रचार प्रसार एवं कृषकों के प्रक्षेत्र तक पहुंचाने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। डॉ किशोर को जनपद फतेहपुर में फसल सुरक्षा से संबंधित तकनीकी ज्ञान को कृषको के मध्य साझा करने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा विभिन्न उपयोगी तकनीतियों के माध्यम से निमेटोड कीट नियंत्रित की विधा को कृषकों द्वारा अपनाए जाने पर किए गए सराहनीय कार्य हेतु उन्हें सम्मानित किया गया है। इस दौरान सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह एवं निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने दोनों वैज्ञानिकों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

दो कृषि वैज्ञानिकों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र मैनपुरी एवं फतेहपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप एवं डॉक्टर जगदीश किशोर को राज्य स्तरीय पुष्प फल एवं सब्जी प्रदर्शनी के समापन समारोह पर महामहिम कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र एवं किसान हित में किए गए उत्तम कार्य के लिए राजभवन में सम्मानित किया। उक्त अवसर पर प्रदेश के मत्स्य मंत्री डॉक्टर संजय निषाद,प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गा प्रसाद मिश्र,कृषि सचिव डॉ मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव श्री राज्यपाल श्रीमती कल्पना अवस्थी, जिला अधिकारी लखनऊ सहित अनेक गणमान्य अतिथियों के गरिमामई उपस्थिति में डॉक्टर स्वरूप को विशेष रुप से डेयरी फार्मिंग भारतीय गोवंश प्रवंधन संरक्षण वर्षभर हरा चारा उपलब्धता हेतु बहु वर्षीय हाइब्रिड नेपियर घास के प्रचार प्रसार एवं कृषकों के प्रक्षेत्र तक पहुंचाने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जबकि डॉ किशोर को जनपद फतेहपुर में फसल

सुरक्षा से संबंधित तकनीकी ज्ञान को कृषको के मध्य साझा करने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा विभिन्न उपयोगी तकनीतियों के माध्यम से निमेटोड कीट नियंत्रित की विधा को कृषकों द्वारा अपनाए जाने पर किए गए सराहनीय कार्य हेतु उन्हें सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह एवं निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने दोनों वैज्ञानिकों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। जबकि वैज्ञानिक जगत में हर्ष की लहर व्याप्त है।

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 133
मूल्य: ₹ 3.00/-
पेज : 12
गुरुवार | 23 फरवरी, 2023
@janexpressnews
janexpresslive
janexpresslive
लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
www.janexpresslive.com/epaper
जन एक्सप्रेस

यूपी स्मार्ट बजट

डॉ. देवेंद्र स्वरूप एवं डॉ. जगदीश किशोर को राज्यपाल ने किया सम्मानित

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र मैनपुरी एवं फतेहपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. देवेंद्र स्वरूप एवं डॉ.जगदीश किशोर को राज्य स्तरीय पुष्प फल एवं साग प्रदर्शनी के समापन समारोह पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र एवं किसान हित में किए गए उत्तम कार्य के लिए राजभवन में सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश के मत्स्य मंत्री डॉ. संजय निषाद, प्रदेश के मुख्य सचिव

दुर्गा प्रसाद मिश्र, कृषि सचिव डॉ. मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी, जिला अधिकारी लखनऊ की उपस्थिति में डॉ. स्वरूप को विशेष रुप से डेयरी फार्मिंग, भारतीय गोवंश प्रबंधन, संरक्षण, वर्षभर हरा चारा उपलब्धता के लिए किए गए प्रयासों के लिए सम्मान दिया गया।

अमर उजाला कानपुर 23/02/2023

सीएसए के छात्र आईआईपीआर के वैज्ञानिकों की देखरेख में करेंगे पीएचडी

संवाद न्यूज एजेंसी

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में हुआ फैसला, हॉस्टल में तोड़फोड़ करने के दोषी पर लगेगा जुर्माना

कानपुर। हरदोई का राजकीय कृषि महाविद्यालय में नए सत्र से चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) से संबद्ध होगा। सीएसए के छात्र अब भारतीय दलहन अनुसंधान परिषद (आईआईपीआर) के वैज्ञानिकों की देखरेख में भी पीएचडी कर सकेंगे। आईआईपीआर के वैज्ञानिक सीएसए के पीएचडी छात्रों के मेजर गाइड होंगे।

बुधवार को सीएसए में एकेडमिक काउंसिल की बैठक में ये फैसले लिए गए। तय हुआ कि छात्रावासों में तोड़फोड़ पर दोषी छात्र पर जुर्माना लगाकर नुकसान की भरपाई की जाएगी। नए सत्र से स्नातक में दाखिले उत्तर प्रदेश कृषि एवं प्रौद्योगिकी संयुक्त प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट) के जरिये होगा।

निदेशक शोध डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि विवि और आईआईपीआर के बीच हुए एमओयू पर भी चर्चा हुई। आईआईपीआर के वैज्ञानिकों की मदद से हमारे छात्र पीएचडी करेंगे, सीटों में भी कटौती नहीं होगी। पीएचडी या एमएससी की सीटें कम नहीं की जाएंगी। बैठक में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह समेत अन्य अधिकारी और प्रोफेसर आदि मौजूद रहे।

छात्रवास में मिले बाहरी छात्र

कुलपति डॉ. बिजेंद्र ने मंगलवार देर रात छात्रावासों का निरीक्षण किया तो कमरों में बाहरी छात्र रहते हुए मिले। निरीक्षण के बाद कुलपति ने छात्रावास के वार्डनों के साथ बैठक की। कहा कि यदि कोई बाहरी छात्र छात्रावास में रहते हुए पाया जाए तो संबंधित पर कार्रवाई की जाए। वार्डन रोजाना छात्रावासों का निरीक्षण करें।

सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों के दो कृषि वैज्ञानिको को प्रदेश की कुलाधिपति – श्री राज्यपाल ने किया सम्मानित

(अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र मैनपुरी एवं फतेहपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप एवं डॉक्टर जगदीश किशोर को राज्य स्तरीय पुष्प फल एवं सब्जी प्रदर्शनी के समापन समारोह पर महामहिम कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र एवं किसान हित में किए गए उत्तम कार्य के लिए राजभवन में सम्मानित किया। उक्त अवसर पर प्रदेश के मत्स्य मंत्री डॉक्टर संजय निषाद,प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गा प्रसाद मिश्र,कृषि सचिव डॉ मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव श्री राज्यपाल श्रीमती कल्पना अवस्थी, जिला अधिकारी लखनऊ सहित अनेक गणमान्य अतिथियों के गरिमामई उपस्थिति में डॉक्टर स्वरूप को विशेष रुप से डेयरी फार्मिंग भारतीय गोवंश प्रबंधन संरक्षण वर्षभर हरा चारा उपलब्धता हेतु बहु वर्षीय हाइब्रिड नेपियर घास के प्रचार प्रसार एवं कृषकों के प्रक्षेत्र तक पहुंचाने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जबकि डॉ किशोर को जनपद फतेहपुर में फसल सुरक्षा से संबंधित तकनीकी ज्ञान को कृषको के मध्य साझा करने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा विभिन्न उपयोगी तकनीतियों के माध्यम से निमेटोड कीट नियंत्रित की विधा को कृषकों द्वारा अपनाए जाने पर किए गए सराहनीय कार्य हेतु उन्हें सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह एवं निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने दोनों वैज्ञानिकों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की है। जबकि वैज्ञानिक जगत में हर्ष की लहर व्याप्त है।

ट्रक ने कार और बाइक सवार को रौंदा,बच्ची सहित दो की मौत

अलीगढ़, । गांधीपार्क क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक ने कार और बाइक सवार को रौंद दिया जिसमें बच्ची सहित दो की मौत हो गई। थाना जवा क्षेत्र के गांव

पोस्टमार्टम गृह भेज दिया । मृतक अपने पीछे तीन भाई तीन बहनों माता–पिता को रोते बिलखते हुए छोड़कर चला गया। परिजनों का रो रो कर

चीख–पुकार सुनकर काफी संख्या में लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके

अमर उजाला कानपुर 23/02/2023

मौसम की मार लगातार तापमान बढ़ने से परागण प्रक्रिया हो रही बाधित, गिर रहे फूल, घटेगा उत्पादन

तपिश से बिगड़ रही फलों की तबीयत, घट रहा स्वाद-आकार

खास खबर

दिव्यांश सिंह

कानपुर। बढ़ता हुआ तापमान फल और सब्जियों के आकार, स्वाद और उत्पादन पर असर डालेगा। गर्मी जल्द पड़ने से फल और सब्जियां जल्दी पक जाएंगी जिससे आकार छोटा होगा। फरवरी में बढ़ता तापमान परागण प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है, जिससे उत्पादन भी कम होना तय है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के वैज्ञानिक फलों और सब्जियों की अधिक तापमान को सहने वाली प्रजातियों को विकसित करने की तैयारी कर रहे हैं।

सीएसए के उद्यान महाविद्यालय के प्रो. वीके त्रिपाठी ने बताया कि फरवरी में आम और नींबू वर्गीय फलों (संतरा, मौसमी आदि) के बीज परागण प्रक्रिया करते हैं। इस प्रक्रिया के लिए रात में 10 और दिन में 15 डिग्री सेल्सियस तापमान होना उपयुक्त है जबकि वर्तमान में दिन और रात दोनों का तापमान ज्यादा है। तापमान बढ़ने से पराग के कण सूख रहे हैं जिससे फूल गिर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि फूलों के गिरने की वजह से उत्पादन घटना तय है। यदि तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा तो फल जल्दी पकेंगे, जिससे आकार का भी घटना तय है। तापमान के बचाव के लिए किसान हल्की सिंचाई करते रहें। तापमान ऐसे ही बढ़ा तो रंग और स्वाद पर भी असर पड़ेगा। आम का मीठापन कम होगा और नींबू के रस में कमी आएगी। (संवाद)

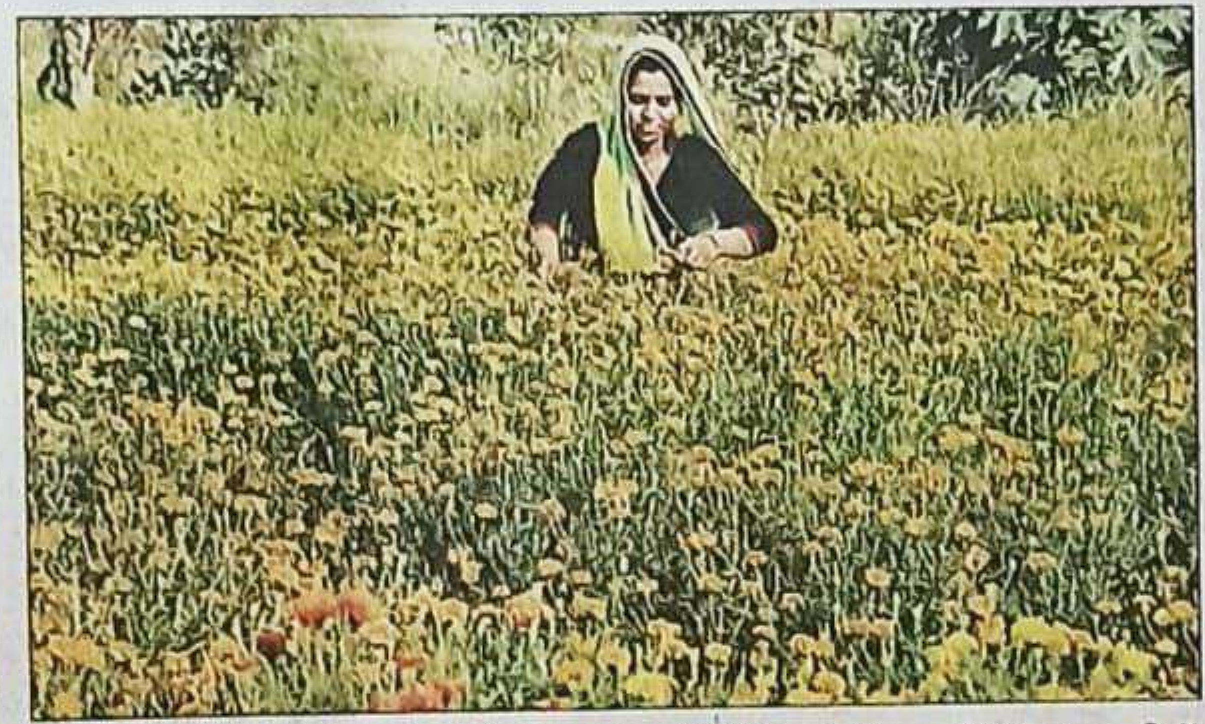

बिधनू के भारु गांव में फूलों की खेती करने वालीं प्रियंका देवी बताती हैं कि फरवरी में तेज धूप की वजह से जाफरी फूल की पैदावार कम होने लगी है। संवाद

किसान ऐसे करें बचाव

- खेत के किनारे शेड लगाएं।
- किनारों पर मक्के की फसल बोएं।
- सूक्ष्म पोषक तत्व जिंक, आयरन और बोरान का छिड़काव करें।
- तापमान को सहने वाली प्रजातियों को बोएं।

टमाटर की बिगड़ेगी सेहत पत्ता गोभी के पत्ते सूखेंगे

फरवरी महीने में बढ़ता हुआ तापमान सब्जियों के पौधों के जमाव को प्रभावित कर रहा है। सीएसए के संयुक्त निदेशक शोध और सब्जी वैज्ञानिक डॉ. राजीव ने बताया कि इस समय कद्दू वर्गीय सब्जी फसलों की बुआई का काम चल रहा है। पौधों के जमाव के लिए 20-30 डिग्री तापमान उपयुक्त है जबकि इस समय दिन का तापमान 32 डिग्री तक पहुंच रहा है। तापमान 35 पर पहुंच गया तो पौधों का मिट्टी में जमाव मुश्किल हो जाएगा। इससे प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया प्रभावित होगी तो उत्पादन घटेगा। सब्जी वैज्ञानिक डॉ. आईएन शुक्ला ने बताया कि गर्मी का असर पैदावार पर भी पड़ेगा। टमाटर में गूदा कम होगा, पत्ता गोभी के ऊपर के पत्ते सूखेंगे। कद्दू, लौकी, खीरा, ककड़ी, तरोई, खरबूजा और तरबूज समेत लता वर्गीय फसलों का आकार भी घटेगा। प्याज के कंद भी छोटे होंगे।

हिंदुस्तान कानपुर 23/02/2023

सीएसए के दो वैज्ञानिक राज्यपाल से सम्मानित

कानपुर। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सीएसए के दो वैज्ञानिकों को सम्मानित किया। डॉ.देवेंद्र स्वरूप व डॉ.जगदीश किशोर विवि से संबद्ध मैनपुरी व फतेहपुर कृषि विज्ञान केंद्र में तैनात हैं। डॉ.स्वरूप डेयरी फार्मिंग नेपियर घास के प्रचार-प्रसार को सम्मानित किया। वहीं, डॉ.किशोर को प्राकृतिक खेती को बढावा देने के लिए सम्मानित किया गया है।

(ब्यूरो)

अमर उजाला कानपुर 23/02/2023

दो वैज्ञानिक सम्मानित

कानपुर। सीएसए के कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) मैनपुरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप और केवीके फतेहपुर के डॉक्टर जगदीश किशोर को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सम्मानित किया है। दोनों वैज्ञानिकों को लखनऊ में राजभवन में लगी राज्य स्तरीय पुष्प फल एवं सब्जी प्रदर्शनी के समापन समारोह में प्रदेश के कृषि क्षेत्र और किसान हित में किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। (संवाद)

राज्य स्तरीय पुष्प फल व सब्जी प्रदर्शनी में सीएसए को मिला सम्मान

- प्रकृतिक खेती व डेयरी फार्मिंग पर राज्यपाल ने दो वैज्ञानिको को किया सम्मानित।

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर। सीएसए के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र मैनपुरी एवं फतेहपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप एवं डॉक्टर जगदीश किशोर को राज्य स्तरीय पुष्प फल एवं सब्जी प्रदर्शनी के समापन समारोह पर महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र एवं किसान हित में किए गए उत्तम कार्य के लिए राजभवन में सम्मानित किया। उक्त अवसर पर प्रदेश के मत्स्य मंत्री डॉक्टर संजय निषाद, प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा प्रसाद मिश्र,कृषि सचिव डॉ मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी, जिला अधिकारी लखनऊ सहित अनेक गणमान्य अतिथियों के गरिमामई उपस्थिति में डॉक्टर स्वरूप को विशेष रूप से डेयरी फार्मिंग भारतीय गोवंश प्रबंधन संरक्षण वर्षभर हरा चारा उपलब्धता हेतु बहुवर्षीय हाइब्रिड नेपियर घास के प्रचार प्रसार एवं कृषकों के प्रक्षेत्र तक पहुंचाने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जबकि डॉ किशोर को जनपद फतेहपुर में फसल सुरक्षा से संबंधित तकनीकी ज्ञान को कृषको के मध्य साझा करने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा विभिन्न उपयोगी तकनीतियों के माध्यम से निमेटोड कीट नियंत्रित की विधा को कृषकों द्वारा अपनाए जाने पर किए गए सराहनीय कार्य हेतु उन्हें सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह एवं निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने दोनों वैज्ञानिकों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। जबकि वैज्ञानिक जगत में हर्ष की लहर व्याप्त है।

दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....
WWW.nagarchhaya.com

कृषि वैज्ञानिकों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन कृषि विज्ञान केंद्र मैनपुरी एवं फतेहपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर देवेंद्र स्वरूप एवं डॉक्टर जगदीश किशोर को राज्य स्तरीय पुष्प फल एवं सब्जी प्रदर्शनी के समापन समारोह पर महामहिम कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने प्रदेश के कृषि क्षेत्र एवं किसान हित में किए गए उत्तम कार्य के लिए राजभवन में सम्मानित किया। उक्त अवसर पर प्रदेश के मत्स्य मंत्री डॉक्टर संजय निषाद,प्रदेश के मुख्य सचिव श्री दुर्गा प्रसाद मिश्र,कृषि सचिव डॉ मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव श्री राज्यपाल श्रीमती कल्पना अवस्थी, जिला अधिकारी लखनऊ सहित

अनेक गणमान्य अतिथियों के गरिमामई उपस्थिति में डॉक्टर स्वरूप को विशेष रुप से डेयरी फार्मिंग भारतीय गोवंश प्रबंधन संरक्षण वर्षभर हरा चारा उपलब्धता हेतु बहु वर्षीय हाइब्रिड नेपियर घास के प्रचार प्रसार एवं कृषकों के प्रक्षेत्र तक पहुंचाने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जबकि डॉ किशोर को जनपद फतेहपुर में फसल सुरक्षा से संबंधित तकनीकी ज्ञान को कृषको के मध्य साझा करने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा विभिन्न उपयोगी तकनीतियों के माध्यम से निमेटोड कीट नियंत्रित की विधा को कृषकों द्वारा अपनाए जाने पर किए गए सराहनीय कार्य हेतु उन्हें सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह एवं निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने दोनों वैज्ञानिकों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की है। जबकि वैज्ञानिक जगत में हर्ष की लहर व्याप्त है।

हिंदुस्तान 23/02/2023

आईआईपीआर की देखरेख में पीएचडी करेंगे सीएसए छात्र

कानपुर। सीएसए के छात्र-छात्राएं अब भारतीय दलहन अनुसंधान परिषद (आईआईपीआर) के वैज्ञानिकों की देखरेख में भी पीएचडी कर सकेंगे। यह फैसला विवि की एकेडमिक काउंसिल में हुआ है। इस फैसले के बाद आईआईपीआर के वैज्ञानिक सीएसए के पीएचडी छात्र-छात्राओं के मेजर गाइड के रूप में नियुक्त हो सकेंगे। छात्र नियमों के मुताबिक पढ़ाई करेंगे और आईआईपीआर के वैज्ञानिकों की देखरेख में शोध करेंगे।

विवि के सभागार में बुधवार को कुलपति डॉ.बिजेंद्र सिंह की अगुवाई में एकेडमिक काउंसिल की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर मंथन हुआ। सबसे अधिक चर्चा पीएचडी व एमएससी छात्र-छात्राओं को लेकर हुई। निदेशक शोध डॉ.विजय कुमार यादव ने बताया कि बैठक में विवि व आईआईपीआर के बीच हुए एमओयू को लेकर मंथन हुआ।

धरातल पर लाया जा सके।

दैनिक जागरण कानपुर 23/02/2023

सीएसए विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन सेल के स्थापना की बढ़ीं उम्मीदें

जासं, कानपुर : प्रदेश सरकार के बजट में एग्रीटेक स्टार्टअप के लिए 20 करोड़ मिलने के बाद अब सीएसए विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन सेल स्थापना की उम्मीदें बढ़ गई हैं। कुलपति प्रो. विजेन्द्र सिंह ने बताया कि इन्क्यूबेशन सेल की स्थापना का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसी साल इन्क्यूबेशन सेल काम करना शुरू कर देगा। एचबीटीयू और एआइटीएच के इनोवेशन सेल को भी सीड फंड से मदद की उम्मीद है।

कुलपति ने बताया कि प्रदेश सरकार ने एग्रीटेक स्टार्टअप के लिए 20 करोड़ का अलग फंड देकर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और कृषि क्षेत्र में अध्ययन करने वाले युवाओं को आगे बढ़ने का बड़ा मौका दिया है। प्रदेश को पांचवां कृषि विश्वविद्यालय भी मिलने जा रहा है। युवाओं को अपने नवाचार व स्टार्टअप के सहारे आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। नौकरियों का संकट कम होगा।

सीएसए विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन सेल के लिए भेजा गया है प्रस्ताव • जागरण आर्काइव

एचबीटीयू और एआइटीएच को मदद मिलने की आस

एचबीटीयू इनोवेशन सेल के प्रभारी डा. अरुण मैथानी ने बताया कि अब तक 13 स्टार्टअप काम कर रहे हैं। सरकार ने बजट का प्रबंध किया है तो उम्मीद है कि नए साल में स्टार्टअप को सहायता भी मिलेगी। वहीं, एआइटीएच में 10 स्टार्टअप काम कर हैं। एआइटीएच निदेशक डा. रचना अस्थाना ने बताया कि कई स्टार्टअप ने सीड फंड के लिए आवेदन कर रखा है। अब गतिविधियां तेज होंगी।

सीएसजेएमयू के चार स्टार्टअप को सरकारी मदद, दर्जनों कतार में

जासं, कानपुर : प्रदेश सरकार के बजट में इन्क्यूबेटर्स को बढ़ावा देने के साथ ही स्टार्टअप को सीड फंड के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इससे सीएसजेएमयू के स्टार्टअप में उत्साह का माहौल है। यहां 12 स्टार्टअप पहले से काम कर रहे हैं। चार को सरकारी मदद मिल रही है। पिछले साल ही दो स्टार्टअप को प्रदेश सरकार के सीड फंड के लिए चुना गया है। संग्रह इनोवेशन और मेदांत्रिक मेडटेक के उत्पाद और भविष्य की संभावनाओं को सहयोग करने के लिए एकमुश्त पांच-पांच लाख रुपये का अनुदान दिया गया है। इसके अलावा दो अन्य स्टार्टअप आंसरकोच एड्यूवेंचर्स और न्यू गेदर इंडिया को 15-15 हजार रुपये प्रति माह दिया जा रहा है।

20 स्टार्टअप सीएसजेएमयू के इन्क्यूबेशन सेल के साथ कर रहे काम

सीएसजेएमयू इनोवेशन फाउंडेशन की डीन डा. शिल्पा कायस्थ ने बताया कि इनोवेशन सेल के साथ 20 स्टार्टअप जुड़ चुके हैं। बजट में 100 करोड़ रुपये इनोवेशन सीड फंड से हमारे स्टार्टअप अत्यंत आशान्वित हैं। पहले इतना बजट नहीं था तब भी हमारे चार स्टार्टअप सरकार की मदद पाने में कामयाब रहे। अब बजट बढ़ा है तो सीएसजेएमयू के हिस्से में और ज्यादा सहायता आने की उम्मीद है।